तीसरी योजना में रेलवे के लिए विदेशी सहायता

८८१. **श्री अमर सिंह डामर :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तीसरी पंचवर्षीय योजना के लिये भारतीय रेलों को विदेशी संगठन और विश्व बैंक से कितनी धनराशि मिली है; और

(ख) उक्त धन राशि का ब्याज कितने प्रतिशत रखा गया है ?

रेल उप मन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). एक बयान सभा-पटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट १, अनुबंध संख्या १०६] । जिसमें रेलवे से सम्बन्धित चालू ऋण और सहायता का उल्लेख किया गया है । जैसा कि बयान में बताया गया है इस ऋण और सहायता का कुछ भाग तीसरी आयोजना के खर्च के लिए है । तकनीकी तौर पर ये ऋण भारत सरकार ने लिये हैं, भारतीय रेलवे सीधे कोई ऋण नहीं लेती ।

किचनर रोड नई दिल्ली पर प्रसूति केन्द्र की इमारत

८८२. **श्री अमर सिंह डामर :** क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नई दिल्ली के किचनर रोड स्थित प्रसूति केन्द्र (मेटर्निटी सेन्टर) की इमारत के लिये कोई धन राशि स्वीकृत हुई है; और

(ख) यदि हां, तो उक्त प्रसूति केन्द्र की इमारत का निर्माण कार्य कब तक प्रारम्भ होने की सम्भावना है ?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्री करमरकर) : (क) नई दिल्ली नगर पालिका ने बतलाया है कि इस केन्द्र के लिये २.१६ लाख रुपये का एक प्रारम्भिक प्राक्कलन स्वीकृत हो चुका है ।

(ख) इस कार्य के लिये टेण्डर आमंत्रित किये जा रहे हैं और यदि दरें उचित हुईं तो आशा है कि दो महीने के बाद कार्य प्रारम्भ हो जायेगा ।

रेलवे में चोरियां और डकैतियां

८८३. **श्री प० ला० बारूपाल :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १९६०-६१ में भारतीय रेलों में चोरी और डकैती के कितने मामले दर्ज किये गये ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री सें० वें० रामस्वामी) आवश्यक सूचना मंगायी जा रही है और मिलने पर सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

तीसरी श्रेणी के रेलवे डिब्बे

८८४. **श्री प० ला० बारूपाल :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि तीसरी श्रेणी के बहुत से पुराने डिब्बों में अभी तक पंखे नहीं लगाये गये है और उन में से कुछ की खिड़कियां बाहर को खुलती हैं; और

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इसे ठीक करने के लिये क्या पग उठाये हैं ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). तीसरे दर्जे के जिन पुराने डिब्बों को ५ साल से अधिक समय तक काम में लाया जा सकता है, उनमें पंखे लगाये जा रहे हैं । ३१-३-६१ को लाइन पर तीसरे दर्जे के कुल १८,०३५ पुराने डिब्बों में से १३,७१६ डिब्बों में पंखे लगा दिये गये हैं, और २,२२६ डिब्बों में पंखे नहीं लगाये जायेंगे क्योंकि उनके चलने की अवधि पांच साल से कम रह गयी है । बाकी २,०९३ डिब्बों में रकम और सामान मिलने पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंखे लगाये जा रहे हैं ।

किसी डिब्बे की खिड़कियां बाहर की ओर नहीं खुलतीं । दिसम्बर, १९५६ में रेलों को आदेश दिया गया था कि १-४-५६ को जो

सवारी डिब्बे ऐसी हालत में रहे हों कि वे अगले दस साल या इससे अधिक समय तक काम में लाये जा सकें, उनमें बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजों की जगह भीतर की ओर खुलने वाले दरवाजे लगाये जायें । यह काम लगभग पूरा हो चुका है ।

Recruitment of Office Clerks in N.E. Railway

886. Shri Ram Garib: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that advertisement for recruitment of 250 office clerks in the North Eastern Railway, Gorakhpur was published on the 2nd September, 1959 out of which 141 posts were reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes;

(b) if so, how many applications were received in response to the advertisement;

(c) how many persons were called for interview and test, if any;

(d) how many persons have been (i) selected, (ii) appointed and (iii) kept on the waiting list for future appointments; and

(e) if the reply to part (d) above be in the negative, what are the reasons for delay?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan):

(b) 6120.

(c) 5760 for written test in which 969 qualified and were called for interview.

(d) and (e). The first 68 of the selected men have already been appointed. Due to the economy drive, no further vacancies are expected in the near future. As and when vacancies arise candidates will be called up till the full quota of 141 is mad up.

Charitable Homoeopathic Dispensaries in Delhi

887. Shri Amar Singh Damar: Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) the number of homoeopathic charitable dispensaries and hospitals in Delhi;

(b) the number of such dispensaries to whom Government is giving annual grant-in-aid;

(c) the exact amount of such grant given during the last financial year;

(d) whether the amount of money granted to them is sufficient for running a public dispensary;

(e) whether Government have reduced the annual grant-in-aid of any such dispensaries during last financial year; and

(f) if so, the reasons therefor?

The Minister of Health (Shri Karmarkar): (a) There are about 30 homoeopathic dispensaries in Delhi and no hospital as such.

(b) and (c): Only one dispensary was given a non-recurring grant of Rs. 500/—last year.

(d) No recurring grant is given to any dispensary and the question whether the grant is sufficient for running a public dispensary does not, therefore, arise.

(e) and (f). No.

Homoeopathy

888. Shri Amar Sing Damar: Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) the reasons for not forming a Central Directorate for Homoeopathy at the Centre;

(b) whether Government are aware that many Government servants enrolled with C.H.S. Scheme consult and take medicines from physicians of other systems of treatment;